विषय— वाणिज्य
(कक्षा—9)

कोविड—19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र—2021—22 में विद्यालयों में समय से पठन—पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:—

1— भारतीय बही खाता प्रणाली, रोकड़ बही व जमा तथा नाम नकल बही।
2— प्रतिलिपिकरण।
3—भारत में मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय।
4—आवश्यकताओं का वर्गीकरण एवं लक्षण।

प्रोजेक्ट कार्य एवं आंतरिक मूल्यांकन

1—भारतीय बही खाता प्रणाली—कच्ची रोकड़ बही।

2—भारतीय बही खाता प्रणाली—पक्की रोकड़ बही।

3—जमा व नाम नकल बही।

4—प्रतिलिपिकरण की प्रणालियाँ।

5—भारतीय मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय।

6—अर्थशास्त्र के अध्ययन से विभिन्न वर्गों के लाभ।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है—

विषय— वाणिज्य
कक्षा—9

इस विषय में एक प्रश्न-पत्र 70 अंकों का तथा समय तीन घंटे का होगा।

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा तथा 30 अंक का प्रायोगिक व आन्तरिक मूल्यांकन होगा। प्रायोगिक आन्तरिक मूल्यांकन में 15 अंक का प्रोजेक्ट कार्य तथा 15 अंक को मासिक परीक्षा हेतु निर्धारित किया गया है। प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा। लिखित परीक्षा हेतु अंक विभाजन निम्नवत् है :—

1—दोहरा लेखा प्रणाली का तात्विक सिद्धान्त व व्यवहार, आधुनिक पाश्चात्य बही खाता प्रणाली के अनुसार प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें केवल रोजनामचा व रोकड़ बही, खतौनी व तलपट 20

2—व्यापारिक कार्यालय का संगठन व कार्य प्रणाली आने-जाने वाले पत्रों का लेखा, पूछताछ व आदेश सम्बन्धी पत्र-व्यवहार। 20

3—मुद्रा इतिहास, परिभाषा कार्य। 15

4—अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र, अर्थशास्त्र से सम्बन्धित शब्दावली जैसे उपयोगिता, धन कीमत मूल्य आदि। 15

निर्धारित पुस्तक—

कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय के अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

प्रोजेक्ट कार्य एवं आंतरिक मूल्यांकन 15+15=30

नोट :–दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। प्रत्येक खण्ड में से एक प्रोजेक्ट कराना अनिवार्य है। शिक्षक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट कार्य अपने स्तर से भी दे सकते हैं। प्रत्येक प्रोजेक्ट 05 अंक का होगा। 15 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर मासिक परीक्षण द्वारा होगा :

1–पुस्तकालय व लेखाकर्म।

2–दोहरा लेखा प्रणाली-परिचय/सिद्धान्त।

3–रोजनामचा आशय व लेखाकर्मों के नियम।

4–तलपट बनाने की विधियाँ।

5–व्यापारिक कार्यालय के कार्य।

6–व्यापारिक-पत्र के मुख्य अंग।

7–मुद्रा का जन्म व विकास।

8–मुद्रा के कार्य।

9–अर्थशास्त्र के विभाग।